%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 708

NO. 380

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Simhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 1097; A. R. No. 343-E of 1899 )

Ś. 1300

(१।) स्वस्ति [।।] श्रीमत्सोमान्ववाये सुरुचिरचरिते विश्रुतात्रेयगोत्रे

जात[ः] श्रीवी-

(२।) र[सि] ग्ग क्षितिपतितिलक[ः] शक्रतुल्यो महिम्ना [।] हेम-

ग्रामाधिपस्य प्रकटितयशस-

(३।) स्तस्य नाम्मांविकेति ख्याता देवी गुणाढ्यामरपति[दइ]ता-

सन्निभा पुण्यशीला [।१]

(४।) शाके विदुयुगानले दुगणिते ज्येष्टे च मासे शुचौ राकायां गुरु-

(५।) वासरेनुदिवसं सिंह्याद्रिभर्त्तुं र्मुदा दीप सप्रतिमं तदर्त्त(र्थ)म-

(६।) ददात् पंचाशतं सत्गवां सा देवी पतिराज्यवैभवकृते स्वाभीष्टसंपू-

(७।) त्तंये[।] [२] श्रीशकवरुषवु[लु] १६०० गुनेंटि ज्येष्ट शुद्ध प चं(च)दशि गुरु-

(८।) वारमुनांड<2> अस्त्रेयगोत्रं(त्र)जुंडैन कोंडंकाम्मटि वीरशिग राजु म-

(९।) हादेवैन अंविकादेवि आराजुनकुन्नु तनकुन्नु अभीष्टात्थासद्विगानु श्रीनर-

(१०।) सिंहनाथुनि सन्निधिनि नित्यमुन्नु ओक अखडदीपमु वेलुंगुटकुतु

<1. In the forty-fourth niche of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The corresponding date is the 13th May, 1378 A. D., Thursday.>

%%p. 709

(११।) पिलुक कूनपल्लि कोडुकु नरसिंहखिल्लारि वशमुनं वेटिन मोदालु

(१२।) एंभै ओकंडु ५१ दीपप्रतिम ओकंड्र ई खिल्लारि कूडजीतानकु गंड-

(१३।) लु इरुवै माडलु पेटिरि म २० भंडारनकु तेलिकट्टु दीपानवर्त्तुलकु

(१४।) गडमाड १ ई खिल्लारि नेल नेलकु नेई एडु कुंचालु नड्ड ७१ तेचि श्रीभंडा-

(१५।) रान प्रबेसमु चेयंगलांडु ई धर्म्म आचद्रार्क च(त्था)हिगा चेल्लंगलदु

(१६।) इ धर्म्म श्रीवैष्णव रक्ष [।।] शत्रुणापि कृतो धम्म(र्म्मः) [पाल]नीयो

मनीषिभिः शत्रुरेव [हि शत्रु]-

(१७।) स्याद्धम्नं[ः] शत्रुर्न्न कस्यचित् श्री श्री श्री [।।]